ocumented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

सर्दी में भी सीना फाड़ने लगा चंडोला

पत्रिका-21-1-16

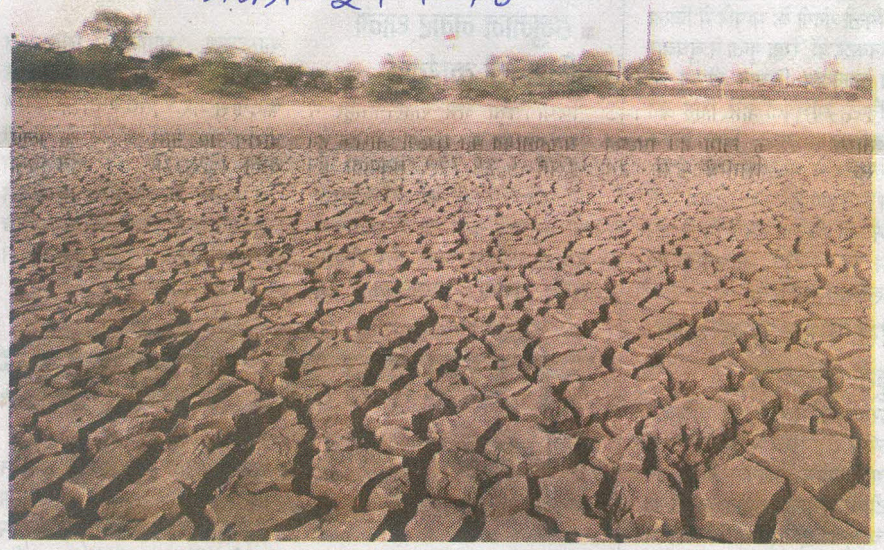

अहमदाबाद के शाहआलम इलाके के पास स्थित सूखा चंडोला तालाब। पानी से लबालब रहने वाला यह तालाब करीब एक दशक बाद पहली बार इतना सूखा दिखा है। बताया जाता है कि अहमदाबाद के मुगल सुल्तान तज्न खान नारी अली की पत्नी ने इस तालाब का निर्माण कराया था। अहमदाबाद महानगरपालिका ने 1200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस तालाब को विकसित करने की योजना बनाई है।

nd documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

2 प्लांट बंद, होगी पानी की परेशानी

वजीराबाद और चंद्रावल प्लांट में काम रुका, यमुना के पानी में फिर बढ़ा अमोनिया

■ वरिष्ठ संवाददाता, नई दिल्ली

File Photo

यमुना में अमोनिया का लेवल एक बार फिर बढ़ गया है। इसकी वजह से वजीराबाद और चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। इंडस्ट्रियल वेस्ट की वजह से यमुना में अमोनिया का लेवल काफी ज्यादा हो गया है। दिल्ली जल बोर्ड के प्लांट शटडाउन होने से एनडीएमसी एरिया के साथ राजधानी के कई इलाकों में पानी की किल्लत हो सकती है। जल बोर्ड के अनुसार अभी यमुना में अमोनिया का लेवल 2.6 पीपीएम हो गया है, जबकि इसका नॉर्मल लेवल 0.02 पीपीएम होना चाहिए। पानी में इतना अमोनिया सेहत के लिए बहुत हो सकता है।

टूरिज्म मिनिस्टर और जल बोर्ड के चेयरमैन कपिल मिश्रा ने बताया कि दोनों प्लांट मंगलवार रात से बंद कर दिए गए। हरियाणा से कुछ इंडस्ट्रियल वेस्ट यमुना में बहा दिया गया है, जिसकी वजह से पानी में अमोनिया काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हम वॉटर सप्लाई की क्वॉलिटी से समझौता नहीं कर सकते। इसलिए प्लांट बंद करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक पानी की क्वॉलिटी सेफ नहीं हो जाती, प्लांट शुरू नहीं किए जाएंगे।

कपिल ने कहा कि दोनों प्लांट दिल्ली की लाइफ लाइन हैं। इसलिए असर तो पानी के प्रोडक्शन पर हुआ है। दोनों प्लांट से लगभग 220 एमजीडी वॉटर का प्रोडक्शन होता है और इसे एनडीएमसी के वीआईपी एरिया में भी पानी की दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के अफसर से बात की गई है और वहां से पानी छोड़ भी दिया गया है। साफ पानी दिल्ली तक पहुंचने में अभी 20 से 24 घंटे लग सकते हैं। हरियाणा से छोड़े गए पानी की जांच के बाद ही प्लांट शुरू होंगे। दिल्ली सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने हरियाणा सरकार को लेटर लिख कर इसे रोकने के लिए कहा है। जब भी हरियाणा से इंडस्ट्रियल वेस्ट छोड़ा जाता है, दिल्ली में पानी की किल्लत हो जाती है।

कपिल ने कहा कि हमने सभी विधायकों को अल्टरनेट सिस्टम के लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराने को कहा है। उम्मीद है कि कल शाम तक इस स्थिति में कुछ सुधार हो सकता है। हालांकि जल बोर्ड का कहना है कि गुरुवार सुबह पानी की सप्लाई नहीं होगी। एक्सपर्ट मानते हैं कि जब पानी में मौजूद अमोनिया के साथ क्लोरीन मिक्स होता है, उससे फ्लोरोएमीन बनता है। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। अगर पानी में अमोनिया की मात्रा बनी रही तो ऐसी परेशानी हो सकती है।

चंद्रावल प्लांट और वजीराबाद प्लांट को मिलाकर 220 एमजीडी की क्षमता है। चंद्रावल प्लांट से राष्ट्रपति भवन, पीएसओ, उपराष्ट्रपति आवास, संसद भवन, सभी सांसदों के घर, इंडिया गेट, कनॉट प्लेस, सभी दूतावास और एनडीएमसी इलाके में पानी सप्लाई होती है। वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से पुरानी दिल्ली के इलाके, चांदनी चौक, दरियागंज, अजमेरी गेट, कश्मीरी गेट, मोरी गेट, जामा मस्जिद, चावड़ी बाजार, सिविल लाइंस सहित कई इलाकों में पानी की सप्लाई होती है।

फैसला

- वजीराबाद और चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पूरी तरह बंद
- हरियाणा से आए इंडस्ट्रियल वेस्ट से बढ़ गई परेशानी
- NDMC एरिया और नॉर्थ दिल्ली में नहीं होगी वॉटर सप्लाई
- पानी साफ होने तक नहीं चल सकेंगे वॉटर प्लांट

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

यमुना में अमोनिया बढ़ा, पेयजल उत्पादन ठप्प

नई दिल्ली (जे.के.पुष्कर): दिल्ली के बहुत बड़े भू-भाग में पानी की आपूर्ति करने वाले वजीराबाद व चंद्रावल जल उपचार संयंत्र में पानी का उत्पादन प्रभावित हो गया है। नतीजतन अगले कई दिनों तक दिल्ली में पेयजल संकट गहराने की आशंका है।

हरियाणा से दिल्ली को मिलने वाली यमुना के पानी में घातक अमोनिया प्रदूषण की मात्रा अधिक होने के कारण उपरोक्त संयंत्रों में पानी उत्पादन न के बराबर रह गया है। इस कारण पानी का शोधन कार्य दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को रोकना पड़ा है। दिल्ली के मुख्य सचिव के के शर्मा ने हरियाणा के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया है और जल्द से जल्द साफ पानी छोड़ने को कहा है।

डीजेबी का कहना है कि इस बावत सीपीसीबी और हरियाणा सिंचाई विभाग के इंजीनियर इन चीफ को सुचित कर दिया गया है तथा उन्हें तुरंत अमोनिया मुक्त पानी छोड़ने को कहा गया है। डीजेबी ने कहा है कि जबतक इस प्रदूषण नहीं हटेगा, वजीराबाद व चंद्रावल जल उपचार संयंत्र में पानी उत्पादन समान्य नहीं होगा। डीजेबी के अधिकारियों के अनुसार हरियाणा के नाले से कचरायुक्त गंदा पानी आने के कारण यमुना का कच्चा पानी प्रदूषित हो जाता है जो जहरीला हो जाता है।

Stop pollution in the Yamuna, Delhi govt tells Haryana

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Delhi chief secretary has written to the authorities in Haryana to take steps to check rising the ammonia levels in the Yamuna which is affecting water supply in the Capital.

"Due to rise in ammonia level in the raw water supply from the river Yamuna, production of potable water at Wazirabad and Chandrawal plants has been affected. The matter of deterioration of quality of raw water supply to the Delhi plants has been taken up by the Delhi government with the Haryana authorities," a Delhi government release stated.

"The DJB has been assured corrective measures were being taken up to stop the entry of pollutants coming from Haryana drains into the river course and the situation is expected to improve soon. Raw water quality is being monitored at half an hour intervals in DJB's laboratories. As soon as the ammonia levels reach treatable limits, the plants will be made operational," it stated.

The localities where water supply will be affected are Chandni Chowk area, Civil Lines, parts of north and west Delhi, Pahar Ganj, Karol Bagh, Old Rajinder Nagar, Naya Bazar, East and West Patel Nagar, etc.

गंगा में कम हुआ प्रदूषण : जावड़ेकर

■ प्रस, नई दिल्ली : सरकार ने कहा कि हाल के दौर में गंगा में प्रदूषण में कमी आई है। उसका कहना है कि ऐसा कड़ी निगरानी और तकनीक के इस्तेमाल के कारण मुमकिन हो पाया है।

पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को कहा कि गंगा में पिछले एक साल के दौरान गिरने वाले औद्योगिक कचरे में 125 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) की कमी आई है। उन्होंने कहा कि पिछले साल यह 501 मात्रा एमएलडी थी। इस मात्रा में कमी की वजह औद्योगिक इकाइयों में जल शोधन संयंत्र लगना और इनकी ऑनलाइन निगरानी है।

नेव-21-1-18

प्रदेशभर में कड़ाके की सर्दी, ठंडक से होगा फसलों को फायदा, ओलावृष्टि से हुआ नुकसान

पत्रिका - 21-1-16

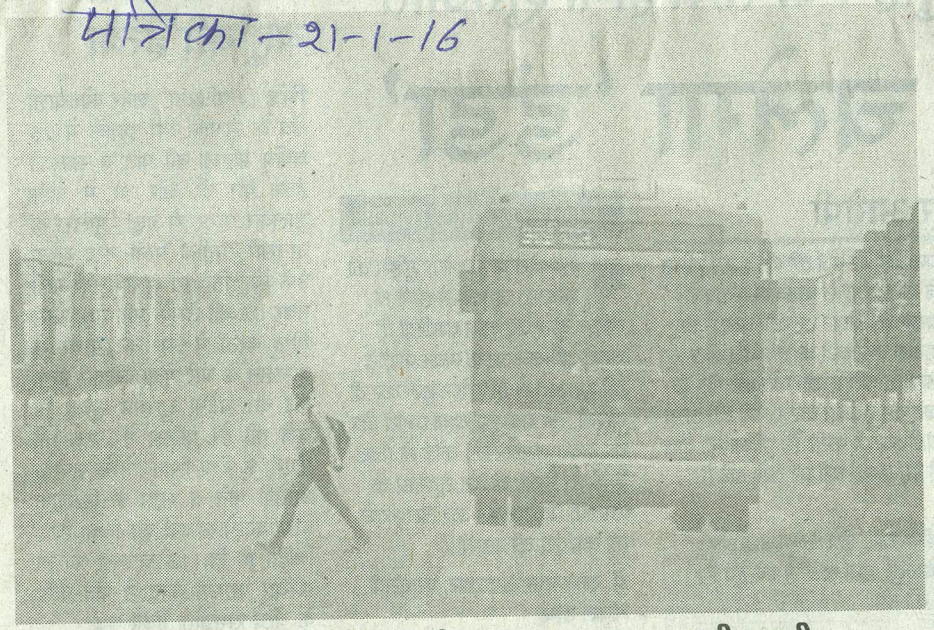

शहर में घने कोहरे की वजह से न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर रही।

'अमृत' बनकर बरसा मावठा

इंदौर @ पत्रिका

mp.patrika.com

चक्रवाती प्रभाव से बदले मौसम का मिजाज मालवा-निमाड़ के लिए 'अमृत' बना है। बूंदाबांदी और धुंध के बीच दिनभर ठंडक बनी रही। इंदौर में दिन का तापमान 4 डिग्री गिर गया। मावठा और गिरे तापमान से फिजा में घुली ठंडक से फसलों का उत्पादन बढ़ने के आसार हैं। इंदौर, देवास, रतलाम, उज्जैन और शाजापुर समेत मालवा-निमाड़ में यह बारिश फसलों के लिए प्राकृतिक सिंचाई का काम करेगी। वहीं ओलावृष्टि से देवास, मंदसौर, शाजापुर में रबी फसलों खासतौर गेहूं -चना के आंशिक प्रभावित होने की आशंका है। किसानों के अनुसार देरी से बोई रबी फसलों को इस पानी से अधिक लाभ मिलेगा। जबकि हार्टिकल्चर में प्याज, लहसुन में लाभ, आलू में नुकसान की आशंका जताई गई है।

इंदौर का हाल

इंदौर का दिन का तापमान 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4 डिग्री कम था। जबकि सोमवार रात का पारा सामान्य से 5 डिग्री अधिक 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में 0.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

10 बजे बाद लगेंगे प्रदेश के सभी स्कूल

भोपाल @ पत्रिका. प्रदेश में शीतलहर के कारण सरकार ने सुबह 10 बजे के बाद स्कूल लगाने के आदेश दिए हैं। आदेश 23 जनवरी तक लागू रहेगा। गौरतलब है कि सरकार ने ठंड और शीतलहर को देखते हुए सभी सरकारी और निजी स्कूलों के समय को बदलकर 10 बजे के बाद ही संचालित करने का निर्णय लिया है। आदेश के मुताबिक, जिन स्कूलों में दो शिफ्ट लगती हैं, उनकी पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे के बाद ही शुरू होगी, जबकि दूसरी पाली का समय यथावत रहेगा।

फसल के लिए क्या फायदे-नुकसान

ठंडा मौसम फसलों के लिए फायदेमंद है। गेहूं, चने की जो फसल फ्लावरिंग स्टेज में है वहां नुकसान हो सकता है, लेकिन जहां फलियां हैं वहां नुकसान नहीं होगा। वर्षा के साथ आने वाली नाइट्रोजन, अमोनिया गैसें फसलों के लिए खाद का काम करती है। ठंडक मिलने से पौधे की बढ़वार अच्छी होती है। क्लोरोफिल बनने की प्रक्रिया तेजी पकड़ लेती है। - **पीसी रघुवंशी,** सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक कृषि विभाग

150 polluting units along Ganga issued closure orders: Javadekar

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 20 January

Following several stringent steps to control industrial pollution along the River Ganga, including closure orders to 150 grossly polluting units, monitoring agents have reported a significant reduction in effluents flowing into the river, Environment Minister Prakash Javadekar today said.

"Industrial pollution was a major contributor to Ganga river pollution," Mr Javadekar told the media. "To reduce this, government had drawn up plans over the past 16 months. Today, we can see the results of that plan." Of a total 764 polluting industrial units, 514 units have already installed Online Continuous Effluent Monitoring System (OCEMS), while 94 are in the process, he said. This has led to a significant reduction in industrial pollution in the Ganga, the minister said.

However, closure orders have been issued to 150 remaining units that have not responded to installation of OCEMS, Mr Javadekar said. Responses of six other units are being examined. Steps are also being taken to establish connectivity of OCEMS with the Central Pollution Control Board (CPCB) server.

The minister said the problem of black liquor discharged by the paper and pulp industries and spent wash by distilleries has been largely controlled. According to the last assessment in 2012, the total waste water generation and its organic load in terms of Biochemical Oxygen Demand (BOD) from 764 Grossly Polluting Industries (GPI) was 501 MLD and 131 tonnes per day respectively. As per conservative estimates discharge from industries has been brought down by 125 MLD. It is estimated that the BOD load reduction resulting from units, which have achieved ZLD norms in distillery and pulp and paper sectors, apart from those which are permanently closed, will be about 30 tonnes per day.

The Central Pollution Control Board had formulated an Action Plan for abatement of industrial pollution in Ganga's main stem states, covering five key industrial sectors ~ sugar, paper and pulp, distillery, textile and tannery, with the twin objectives of reducing effluent generation and organic load. CPCB is directly monitoring the progress of implementation of Action Plans in sugar, paper and pulp, distillery, while progress in other two sectors is being facilitated by the Ministry of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation.

epaper हिन्दुस्तान

मुनस्यारी में तापमान शून्य से 4 डिग्री नीचे, कई हिस्सों में पहली बार बर्फबारी देखी गई

पहाड़ों पर बर्फबारी से पारा धड़ाम

कुमाऊं | हिटी

पहाड़ों पर मंगलवार रात हुई बर्फबारी से कुमाऊं में ठंड बढ़ गई है। मुनस्यारी में तापमान माइनस चार तक पहुंच गया है। पिथौरागढ़ के आसपास के क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। नैनीताल के मुक्तेश्वर, अल्मोड़ा के जागेश्वर और चम्पावत में मौसम का पहला हिमपात हुआ है।

पिथौरागढ़ के आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार रात मौसम का पहला हिमपात हुआ। मुनस्यारी मुख्यालय में छह इंच तक और कालामुनि में एक फीट तक बर्फ पड़ी है। अल्मोड़ा के वृद्ध जागेश्वर, लमगड़ा और दूनागिरी में मंगलवार रात करीब 12 बजे बारिश और बर्फबारी शुरू हुई। रानीखेत में चौबटिया, लालकुर्ती में डेढ़ इंच तक बर्फ गिरी है।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अल्मोड़ा और आसपास करीब 6 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री और अधिकतम 9.5 रिकार्ड किया गया। बागेश्वर में कपकाटे के झुनी, धाकुड़ी, खाती तथा पखुवा में छह इंच तक बर्फ गिर चुकी है। धरमघर, शामा, रमाड़ी, शिखर, गोगिना, किमु तथा कौसानी के पिनाथ में भी हिमपात हुआ है।

लोहाघाट, चम्पावत, देवीधुरा की पहाड़ियां पर तड़के करीब तीन बजे से एक घंटे तक हिमपात हुआ। हिमपात से एबटमाउंट, मानेश्वर, हिंग्लादेवी आदि की चोटियां बर्फ से ढक गयी।

उत्तराखंड के चमोली जिले में गैरसैण तहसील क्षेत्र के भराड़ीसैण में बुधवार को बर्फबारी के बाद का नजारा। ● अवतार सिंह नेगी

अगले पांच दिन तक सताएगी ठंड

पूर्वानुमान

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

राजस्थान के ऊपर पर बने साइक्लोन सरकुलेशन और मध्य प्रदेश पर बंगाल की नमदार हवाओं और पहाड़ की सर्द हवाओं के मिलन से उत्तर-मध्य भारत में शुरू हुई ठंड 25-26 जनवरी तक खिंचने की संभावना है।

स्काईमैट वेदर एजेंसी के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी महेश पलावत के मुताबिक दो दिन बाद मौसम पूरी तरह से खुलने के बाद बर्फीली हवाएं बहेंगी। आगे कोई और पश्चिमी विक्षोभ नहीं आने की संभावना के कारण ये हवाएं मौसम को ठंडा बनाए रखेंगी।

25-26 जनवरी के आसपास अधिकतम तापमान 20-22 और न्यूनतम 11 डिग्री के आसपास बना रहेगा। अगले दो दिन में अधिकतम 18-19 और न्यूनतम 8-9 डिग्री के बीच रहेगा।

जनवरी के उत्तरार्द्ध में मौसम में ठंडक पिछले सालों के मुकाबले कम ही है। इस बार यह महसूस इसलिए हो रही है क्योंकि इस साल कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही थी। 27 जनवरी से तापमान बढ़ना शुरू होगा और फिर तापमान ऊपर ही जाएगा।

The Times of India
Title : Season's chilliest day as winter returns to north
Author :
Location :
New Delhi:
Article Date : 01/21/2016

Cold Weather To Stay For A Week, Fog To Last A Few Days

The chill deepened over the capital with the maximum temperature falling to a season's low of 15.1 degrees Celsius on Wednesday , as winter patterns returned to north India after a freakish three-week spell of warm weather.

It was a typical, gloomy January day in Delhi, with a fog hanging over the city through the day and light, icy winds adding to the chill. The day's peak temperature was five degrees below normal, which qualified as `cold day' conditions, according to IMD's weather classification.

Met officials said the cold spell, which began around Friday (January 15), marks a return to normal winter weather and would bring relief to farmers across north India who were worried about losses to the wheat crop because of the warm weather.

“The cold weather is likely to persist for at least a week.The fog will continue for a few days due to incursion of moisture into the region from the north but it will gradually become less intense. We are likely to have clear skies on Republic Day ,“ said B P Yadav, director, India Meteorological Department.

“Expect night temperatures to fall by two-three de grees in the next 48 to 72 hours,“ he added.

Yadav said a number of global-scale factors had led to a reversal of the warm winter that prevailed across north In dia since late December.

“Till now, Europe was ex periencing one of its warmest winters. Now the weather there has changed. The chill in Europe had pushed the west erly regime 300-400km south ward,“ said Yadav. The cold from the Arctic or Siberia usually propagates into north India in wave-like motion through the westerly regime, or western disturbances. Till last week, these winds were crossing north of J&K and hence were unable to impact weather in the region.The line now passes through Rajasthan and Uttar Pradesh, and has been bringing cold and moisture into the region.

Another reason for the turn in weather, Yadav said, was the weakening of the El Nino, which has being transferring heat from the Pacific Ocean into the atmosphere.

“The third factor is a convection -rising wind pattern -formed over the southern Indian Ocean because of the presence of a travelling disturbance known as Madden Julian Oscillation (MJO).This is also pulling the westerly winds southwards into their normal winter position,“ Yadav said.

As a result, northerly winds have become predominant in the past few days, bringing chill into the northern plains. “Wheat farmers were very worried over the lack of chill during peak winter. Now with the weather turning cold, there's a lot of relief,“ Ruby Singh Sandhu, a big farmer in Mallekan village near Haryana's Ellenabad town, told TOI over the phone.

WEATHER'S U-TURN

Source: RMC

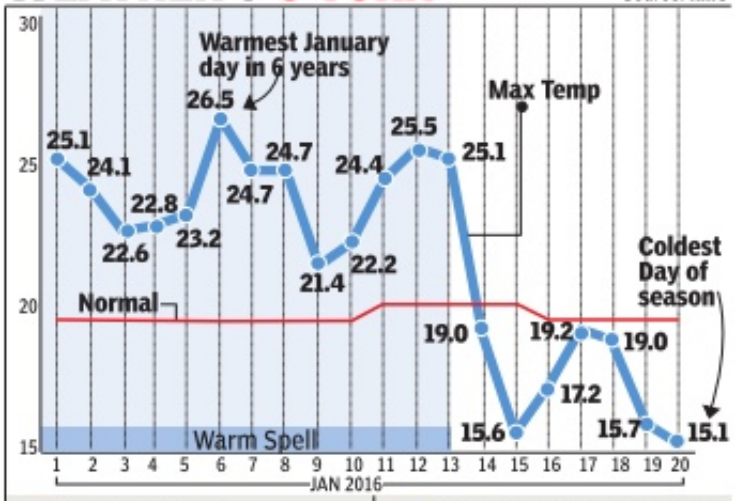

- Normal winter conditions return mid-Jan after anomalously high temperatures since late Dec
- Turn in weather linked to chill returning to European winter, El Nino weakening and convection in Indian Ocean pulling winds from the north
- Weather likely to stay cold at least till R-Day. But sunnier days ahead as fog expected to recede gradually, nights may become chillier
- End of warm spell relief for farmers as wheat crop needs cold, moist conditions

WEATHER

Max 15.1°C (-5) / Min 09.0° C (+2)
Moonrise: Thursday – 03:31 pm
Moonset: Friday – 05:24 am
Sunset: Thursday - 05:51 pm
Sunrise: Friday - 07:14 am
Mainly clear sky. Shaloow/moderate fog at most places with dense fog at few places is very likely to occur in the morning/forenoon. Maximum & min temperature on Thursday will be around 17°C & 08°C.